दैनिक
उत्तराखण्ड प्रहरी

वर्ष 15 /अंक 31 / पृष्ठ 8
हरिद्वार, शुक्रवार, 31 मार्च 2023
uttarakhandprahari19@gmail.com / e-paper: uttarakhandprahari.com
उत्तराखण्ड का सबसे विश्वसनीय मीडिया पार्टनर
RNI No. : - UTTHIN/2009/27592

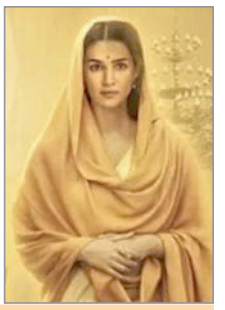

सफलता के चार नियम

'आदिपुरुष' रामनवमी पर प्रभास की का नया पोस्टर रिलीज

मूल्य- 2 रु.

पीएम मोदी ने सहकारिता से समृद्धि हेतु 75 वर्ष में पहली बार देश में अलग सहकारिता मंत्रालय बनायाः अमित शाह

सुमित तिवारी, (उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो)

हरिद्वार। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को ऋषिकुल मैदान, हरिद्वार में राज्य की 95 संयुक्त सहकारी खेती, 95 जन सुविधा केन्द्र, 95 जन औषधी केन्द्र एवं राज्य की समस्त बहुद्देशीय सहकारी समितियों में पूर्ण रूप से कंप्यूटरीकरण का शुभारंभ किया। इस अवसर पर राज्य में कृषि एवं औद्यानिकी क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहे किसानों को सम्मानित भी किया गया। दीनदयाल उपाध्यया किसान कल्याण योजना के लाभार्थियों को बिना ब्याज के ऋण का चेक वितरण किया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री घस्यारी कल्याण योजना, संयुक्त सहकारी खेती एवं पैक्स कम्प्यूटरीकरण पर आधारित डाक्यूमेंटरी का अवलोकन भी किया।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि अक्टूबर 2021 में समग्र भारत में पैक्स के कम्प्यूटराईजेशन का कार्य उत्तराखण्ड में शुरू हुआ था। आज 17 माह बाद सभी 670 पैक्स का कम्प्यूटराईजेशन पूर्ण हो चुका है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के प्रयासों की सराहना की। राज्य में 95 मल्टीपर्पज पैक्स बनाने का कार्य भी पूर्ण किया जा चुका है। कोपरेटिव सोसायटी के साथ 95 जन औषधी केन्द्र एवं जन सुविधा केन्द्र की शुरूआत भी सबसे पहले उत्तराखण्ड ने की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सहकारिता से समृद्धि के लिए 75 वर्ष में पहली बार देश में अलग सहकारिता मंत्रालय बनाया। आज सहकारिता मंत्रालय के माध्यम से देश के सभी 63 हजार पैक्स को कम्प्यूटराईज करने का कार्य शुरू हो गया है। आज 360 सहकारी बैंक की शाखाएं, 670 बहुद्देशीय पैक्स, 670 एमपैक्स का कम्प्यूटराईजशन कर उत्तराखण्ड सरकार ने समग्र देश में सहकारिता क्षेत्र में पहले नम्बर पर आने का कार्य किया है। 95 जन सुविधा केन्द्र, केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं को 95 गांवों में सीधा पहुंचाने का कार्य करेंगे। इसके माध्यम से एम पैक्स भी मजबूत होंगे । 50 से 90 प्रतिशत सस्ती दवाई कोपरेटिव जन औषधी केन्द्रों से मिलेंगे। उत्तराखण्ड के 95 विकासखण्डों में एकीकृत सामूहिक सहकारी खेती का मॉडल का भी आज शुभारंभ हुआ है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय सहकारिता यूनिवर्सिटी बनाई जा रही है। राष्ट्रीय सहकारिता डाटा बेस भी तैयार किया जा रहा है। सहकारिता नीति भी बनाई जा रही है। बीजों के उत्पादन हेतु मल्टी स्टेट कॉपरेटिव बना चुके हैं। किसानों के उत्पादों के निर्यात के लिए भी एक मल्टी स्टेट कॉपरेटिव बनाने का कार्य किया गया है। आने वाले समय में गांवों का जल व्यावस्थापन का कार्य भी पैक्स को सौंप सकते हैं, अनेक कार्य पैक्स के साथ जोड़े जा रहे हैं। कम भूमि वाले किसानों को पशुपालन, मत्स्य पालन एवं अन्य व्यवसायों से जोड़ने का कार्य किया गया है। कॉपरेटिव के माध्यम से किसानों की आय दोगुनी करने का जो लक्ष्य प्रधानमंत्री जी ने रखा है, इस दिशा में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। जितने इनिसिएटिव केन्द्र सरकार ने कॉपरेटिव के क्षेत्र में लिये हैं, उत्तराखण्ड सरकार ने सभी को धरातल पर उतारकर

हरिद्वार आगमन पर बोले अमित शाह, मोदी को बताया युगपुरुष, भाजपा सरकार के कार्यों की प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री की पीठ थपथपाई।

देवभूमि के छोटे किसानों के भले के लिए कार्य किया है।

पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आज बड़े ही सौभाग्य का विषय है कि हमें गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित भाई शाह जी का मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। सही नीतियों और ईमानदार नीयत के बिना देश का विकास नहीं हो सकता और इन्हीं दोनों सिद्धांतो को लेकर आज हमारा देश प्रधानमंत्री जी और गृह मंत्री के नेतृत्व और मार्गदर्शन में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री जी एवं गृह मंत्री जी का उत्तराखण्ड के प्रति भी विशेष लगाव और स्नेह रहा है। आज जिन विभिन्न योजनाओं का शुभारंभ अमित शाह जी द्वारा किया गया है, उन योजनाओं से उत्तराखंड के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को अवश्य ही लाभ होगा। सहकारिता की परंपरा भारत में प्राचीन काल से चली आ रही है। सहकारिता में स्पर्धा की बजाए सहयोग की भावना रहनी चाहिए। आज की नई पीढ़ी के लिए सहकारिता का अत्यधिक महत्व है क्योंकि आज की पीढ़ी जल्द से जल्द स्वावलंबी होना चाहती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सहकारिता से समृद्धि के स्वप्न को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री जी ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए अलग सहकारिता मंत्रालय गठन करने का निर्णय लिया और सहकारिता मंत्रालय को अमित भाई शाह जी को देकर ये बता दिया कि उनके लिए सहकारिता का महत्व कितना है। आज अमित शाह जी के नेतृत्व में यह मंत्रालय देश में सहकारिता आंदोलन को और अधिक मजबूत करने के लिए एक अलग प्रशासनिक, कानूनी और नीतिगत ढांचा प्रदान कर रहा है। यह मंत्रालय सहकारी समितियों के लिए कारोबार में सुगमता के लिए प्रक्रियाओं को कारगर बनाने और बहु-राज्य सहकारी समितियों के विकास को सक्षम बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है।

जर्मनी ने राहुल की लोकसभा से अयोग्यता पर संज्ञान लिया, भाजपा और कांग्रेस में आरोप-प्रत्यारोप

नई दिल्ली। जर्मनी ने राहुल गांधी के लोकसभा सदस्यता गंवाने के मामले पर बयान दिया है जिसके बाद भारतीय जनता पार्टी ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के लिए विदेशी शक्तियों को आमंत्रित करने का आरोप लगाया तो विपक्षी दल ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा अडाणी मुद्दे से ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने बृहस्पतिवार को ट्वीट किया और कहा कि राहुल गांधी को परेशान करके भारत में लोकतंत्र से समझौता किया जा रहा है और इसका संज्ञान लेने के लिए वह जर्मनी के विदेश मंत्रालय तथा डॉयचे वैले के मुख्य अंतरराष्ट्रीय संपादक रिचर्ड वाकर का शुक्रिया अदा करते हैं। सिंह ने वाकर का एक ट्वीट टैग किया जिसमें वरिष्ठ पत्रकार ने राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता से अयोग्यता पर प्रतिक्रिया देते हुए जर्मन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का एक वीडियो डाला है।

जर्मनी के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा, हमने भारत में विपक्षी नेता राहुल गाधी के खिलाफ फैसले और उनकी संसदीय सदस्यता निलंबन किए जाने का संज्ञान लिया है। प्रवक्ता के हवाले से कहा गया, हमारी जानकारी के मुताबिक, गांधी फैसले को चुनौती दे सकते हैं। तब यह स्पष्ट होगा कि क्या यह फैसला टिक पाएगा और क्या निलंबन का कोई आधार है? प्रवक्ता ने कहा कि जर्मनी को उम्मीद है कि न्यायिक स्वतंत्रता के मानक और मौलिक लोकतांत्रिक सिद्धांत समान रूप से राहुल गांधी के खिलाफ कार्यवाही पर लागू होंगे।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में भीषण विस्फोट, ग्रेनेड बरामद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक गांव में भीषण विस्फोट होने से जमीन में बड़ा गड्ढा हो गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। देर रात हुए विस्फोट के बाद सीमावर्ती क्षेत्रों और जम्मू-पठानकोट राजमार्ग पर सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। कठुआ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) शिवदीप सिंह जामवाल ने पीटीआई-भाषा को बताया कि बृहस्पतिवार सुबह इलाके की तलाशी के बाद एक ग्रेनेड बरामद हुआ। जामवाल ने कहा, बुधवार रात करीब साढ़े नौ बजे भीषण विस्फोट की सूचना मिली। हमने आज सुबह तलाशी अभियान शुरू किया... बम रोधी दस्ते ने नमूने एकत्रित कर जांच के लिए भेज दिए हैं। उन्होंने कहा, सुबह करीब साढ़े छह बजे एक ग्रेनेड बरामद हुआ। ऐसा प्रतीत होता है कि सुरक्षा बलों की मौजूदगी का पता चलने के बाद किसी ने ग्रेनेड फेंक दिया।

आवश्यक सूचना

'उत्तराखंड प्रहरी' के सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि आप अपने प्रिय अखबार 'उत्तराखंड प्रहरी' महाभियान में शामिल हो सकते हैं। आप अपने द्वारा लिखी गई कोई भी संरचना, कविता, कहानी, लेख या कार्यक्रम हमसे साझा कर सकते हैं। अच्छे लेख व कहानी को 'उत्तराखंड प्रहरी' में उचित स्थान दिया जाएगा। आप अपने प्रियजनों को जन्मदिन, सालगिरह या अन्य शुभ अवसरों पर बधाई संदेश भी दे सकते हैं।

आप हमें ईमेल

uttarakhandprahari19@gmail.com या whatsup no 8077771906 पर भी भेज सकते हैं।

संपादकीय

बेटियों के 'चैम्पियन' मुक्के

भारत की बेटियों ने एक बार फिर देश को गौरवान्वित किया है। इतिहास रचे हैं। औरत से जुड़े प्राचीन, लैंगिक मिथक भी भंग किए हैं। मुक्केबाजी सरीखे प्रहारक और कठोर खेल को नये आसमान, नई प्रासंगिकता दी है। मैरी कोम की एक सशक्त और विजेता पीढ़ी तैयार की है। नीतू घंघास, निकहत जरीन, स्वीटी बूरा और लवलीना बोरगोहन आज मुक्केबाजी की 'विश्व चैम्पियन' हैं। उन्होंने क्रमशः 48, 50, 70-75 और 81 किलोग्राम भार-वर्ग में विश्व महिला मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के 'स्वर्ण पदक' हासिल किए हैं। ये पदक अनूठे, अद्भुत, अभूतपूर्व और ताकत के प्रतीक हैं। कभी कल्पना ही की जा सकती थी कि हमारी बेटियां विश्व स्तर पर मुक्केबाजी के खेल में ऐसी बुलंदियां भी छू पाएंगी, लेकिन आज यथार्थ सामने है। राजधानी दिल्ली के उसी स्टेडियम में ये चारों बेटियां 'विश्व चैम्पियन' बनीं, जहां करीब पांच साल पहले छह बार की विश्व चैम्पियन मैरी कोम ने खेल को 'भावुक अलविदा' कहा था। शायद तब सवाल और संशय रहा होगा कि मैरी कोम का 'शून्य' कौन भरेगा? महिला मुक्केबाजी सुरक्षित रह पाएगी अथवा नहीं? लेकिन एक नहीं, चार बेटियों के 'चैम्पियन मुक्कों' ने साबित कर दिया कि खेल आज भी सुरक्षित मु_ियों में बंद है। मैरी कोम की पीढ़ी भी 'विश्व चैम्पियन' है। जिस दौर में मैरी कोम ने मुक्कों का यह खेल शुरू किया था, सामाजिक प्रताडऩाएं और औरत-विरोधी सोच उन्हें भी झेलनी पड़ी थीं। सानिया मिर्जा, सायना नेहवाल, पीवी सिंधु, मीराबाई चानू और महिला पहलवानों ने भी अनेक फिकरे सुने, पोशाक तक पर सवाल किए गए, संस्कृति और परंपराओं के पतन की बातें सुननी पड़ीं, लेकिन ये तमाम खिलाड़ी 'विश्व चैम्पियन' स्तर के रहे हैं।

जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर 'राष्ट्रगान' की धुन बजती है और 'तिरंगा' सम्मानित होता है, तो लैंगिक रूढ़िवाद के कई मिथक टूटते हैं। आज खेल में लैंगिक विभेद के आधार पर विश्लेषण नहीं किए जा सकते। हैदराबाद क्षेत्र की मुस्लिम लडक़ी निकहत जरीन 50 किलो के भार-वर्ग में लगातार दूसरी बार 'विश्व चैम्पियन' बनी हैं। मैरी कोम के बाद जरीन ने ही यह उपलब्धि, बुलंदी हासिल की है। घर में तीन बहनें और भी हैं और अब्बू सिर्फ एक सेल्समैन हैं। सामाजिक के साथ-साथ आर्थिक बंदिशें भी रही हैं। उन विसंगतियों के बावजूद जरीन दोबारा 'विश्व चैम्पियन' बनी हैं। अपने खिताब की राशि से वह अपने माता-पिता को 'उमराह' को भेजना चाहती हैं, लिहाजा जरीन की मानसिक और भावनात्मक व्यापकता की प्रशंसा की जानी चाहिए। जरीन ने कॉमनवेल्थ गेम्स में भी स्वर्ण पदक जीता था। नीतू घंघास तो मात्र 22 साल की हैं। उनका भार-वर्ग 48 किलो का है, जिसमें मैरी कोम 'विश्व चैम्पियन' बनी थीं। ओलंपिक पदक भी जीता था। लवलीना की पृष्ठभूमि भी कम दयनीय नहीं है, लेकिन उसने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीत कर अपना माद्दा, हुनर साफ़ कर दिया था। वह पहली बार 70-75 किलो भार-वर्ग में 'विश्व चैम्पियन' बनी हैं। स्वीटी बूरी मैरी कोम की तरह विवाहित हैं, लेकिन उनके मुक्कों की बौछार, ताकत, निशाना बिलकुल नहीं भटके हैं। लवलीना और मैरी कोम में एक साझा तथ्य यह है कि दोनों पूर्वोत्तर से आती हैं और भारत का गौरव बढ़ा रही हैं।

सफलता के चार नियम

पीके खुराना

मुझे एक कहानी याद आती है जो हम बचपन में सुना करते थे। तीन मित्र समुद्र के किनारे बने एक होटल के पुल के किनारे बैठे मौसम का आनंद ले रहे थे। थोड़ी ही दूर समुद्र का किनारा भी नजर आ रहा था। कुछ लोग पुल में तैरने का आनंद ले रहे थे, तो कुछ लोग समुद्र में डुबकियां लगा रहे थे। यह नजारा देखकर तीनों के मन में एक ही बात आ रही थी कि उन्हें भी तैरने का आनंद लेना चाहिए। समस्या यह थी कि तीनों ही मित्रों को तैरना नहीं आता था। पहले मित्र ने सोचा, होता क्या है तैरने में, थोड़े से हाथ-पांव ही तो मारने हैं, तैरना आ जाएगा और उन्होंने आव देखा न ताव, झट से पुल के उस हिस्से में छलांग लगा दी जिधर पानी गहरा था। थोड़ी ही देर में जब वे डूबने-उतराने लगे तो वे सहायता के लिए पुकारने लगे। पुल में पहले तैर रहे लोगों ने उनको पकड़ा और किनारे पर ले आए। अब ये साहब अपनी बेवकूफी पर पछताने लगे और उन्होंने कसम खा ली कि जीवन में अब कभी दोबारा वे तैरने का दुस्साहस नहीं करेंगे। दूसरे मित्र ने उनका यह हाल देखकर पहले ही सोच लिया कि तैरना उनके बस का नहीं है और उन्होंने जीवन में कभी दोबारा पानी में उतरने की बात सोची भी नहीं। लेकिन तीसरे मित्र ने थोड़ी समझदारी दिखाई। उन्होंने स्विमिंग पुल के उस हिस्से में कोशिश शुरू की जहां पानी उथला था। धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास बढ़ा तो वे पुल के उस हिस्से में गए जहां पानी गहरा था, पर तब भी वे किनारे-किनारे तैरते रहे जहां सहारे के लिए पाइप लगे हुए थे।

आत्मविश्वास कुछ और बढ़ा तो वे गहरे पानी में तैरने लगे और फिर तैरने के तरह-तरह के स्टाइल सीख कर तैरने में पारंगत हो गए। सफलता और असफलता में इतना ही फर्क है। पहले मित्र ने काम के लिए आवश्यक कौशल के बिना ही जल्दबाजी में काम आरंभ कर दिया, असफल हुए और फिर सोच लिया कि यह काम जीवन में कभी दोबारा नहीं करना, जबकि दूसरे मित्र ने कुछ भी प्रयास किए बिना ही हार मान ली। काम के लिए आवश्यक काबिलीयत के बिना जल्दबाजी में काम करना तथा प्रयास किए बिना ही हार मान लेना, दोनों ही असफलता का कारण बनते हैं, जबकि धैर्यपूर्वक काम सीखकर काम करना सफलता की गारंटी है। मैं अपनी वर्कशाप में जब लोगों को सफलता के गुर सिखाता हूं, तो उन्हें एक फार्मूला देता हूं जिसे हम पी-4 फार्मूला कहते हैं। सफलता के इस फार्मूले का पहला पी है पैशन फार एक्सीलेंस, यानी उत्कृष्टता की भावना, सफलता का दूसरा पी है प्रॉब्लम वर्सेज एडवेंचर, यानी समस्या बनाम साहस भरा काम, तीसरा पी है पेशेंस एंड कम्पैशन यानी धैर्य और दयालुता या संवेदनशीलता और चैथा पी है प्रिंसिपल आफ प्रोडक्टिविटी, यानी उत्पादकता का सिद्धांत। अब हम अगर सफलता के पहले नियम यानी उत्कृष्टता की भावना की बात करें तो इसका मतलब है कि चाहे हम नौकरी करते हों या व्यवसाय करते हों, अपना कोई भी काम हमें सिर्फ इस भावना से नहीं करना चाहिए कि उससे हमारी प्रोमोशन हो जाएगी या हम ज्यादा पैसे कमाने लगेंगे। अब सवाल उठता है कि सफलता का मतलब ही जब यही है कि हम अमीर हो जाएं और हमारे पास ज्यादा पैसे हों तो फिर काम ज्यादा पैसे कमाने की नीयत से क्यों न किया जाए? सही सवाल है, पैसा ही नहीं आया तो सफलता बेमानी है। यही एक ट्रैप है, एक जाल है जिसमें हम अकसर उलझ जाते हैं और फिर वहीं अटके रह जाते हैं, जबकि यदि काम इस भावना से किया जाए कि हमारा काम सर्वोत्कृष्ट हो तो जो हम चाहते हैं वह अपने आप होता चलता है। जब हम खुद को ज्यादा काबिल बनाने के रास्ते पर चलते हैं तो हम बेहतर काम कर पाते हैं। परिणाम यह होता है कि देर सवेर हमारे उच्चाधिकारी या हमारे ग्राहक हमारे काम को नोटिस करते हैं और हमारी साख बन जाती है, लेकिन यदि हम पहले पैसा कमाने या प्रोमोशन पाने की कोशिश में जुट जाएं और हममें अपेक्षित योग्यता न हो तो हमें निराशा ही हाथ लगेगी।

सफलता का दूसरा नियम समस्या बनाम साहसिक कार्य का अर्थ बड़ा साधारण है लेकिन गहरा है। शुरू होने से पहले हर नया काम कठिन है, उसमें जोखिम है, असफलता का डर है, लेकिन वही काम जब संपन्न हो जाए तो या तो आसान है या फिर साहस भरा काम। एवरेस्ट विजय से पहले सर एडमंड हिलैरी और थापा तेनज़िंग के लिए एवरेस्ट भी एक चुनौती था, उसके लिए उन्हें अपने आप को तैयार करना आवश्यक था ताकि रास्ते के तूफानों का मुकाबला कर सकें, अपने शरीर को शून्य से नीचे का तापमान सहने के लिए तैयार कर सकें, सामान पीठ पर लाद कर सीधी ऊंची चढ़ाई चढ़ सकें और दिन भर की यात्रा के बाद भी इतनी शक्ति बचाकर रखें कि पहाड़ की टेढ़ी-मेढ़ी ऊंचाइयों पर अपना तंबू गाड़ सकें और फिर अगले दिन फिर से अपनी यात्रा शुरू कर सकें।

भारतीय जनमानस के सनातन आदर्श श्रीराम

डा.रविंद्र सिंह भड़वाल

किसी भी व्यक्ति के जीवन में आदर्श का बेहद गहरा प्रभाव होता है। आदर्श में किसी भी व्यक्ति के आध्यात्मिक, सामाजिक और व्यावहारिक जीवन के मार्गदर्शन का अभूतपूर्व सामथ्र्य होता है। सनातन धर्म के ऐसे ही आदर्श भगवान श्रीराम सदियों से भारतीय समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य करते रहे हैं। राम की नीति और रीति सदियों से भारत का मार्गदर्शन करती रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने इसी नीति और रीति के आलोक में, राम राज्य का सपना देखा था। स्वामी विवेकानंद भी भगवान राम और सीता माता के जीवन को आदर्श मानकर हमेशा सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करते रहे। इतना ही नहीं, आज भी भारतीय समाज जब कभी नकारात्मकताओं के अंधेरे में गोते खा रहा होता है, तो श्रीराम के जीवन को सामने रखकर सही मार्ग पकडऩे का प्रयास करता है। राम नवमी का पावन दिन उन्हीं प्रभु श्रीराम की आराधना के साथ-साथ जीवन की कठिन चुनौतियों और परीक्षाओं को भी सरल भाव से जीने के लिए आदर्श के रूप में अपनाने का अवसर लेकर आया है। स्वामी विवेकानंद ने भी मानव जीवन में उच्च मूल्यों के संचरण हेतु आदर्श की भूमिका को बार-बार रेखांकित किया है। भगवान श्रीराम की नीति और रीति का स्वामी विवेकानंद पर गहरा प्रभाव था। भगवान श्रीराम और सीता माता के जीवन की एक आदर्श के रूप में महिमा बताते हुए स्वामी विवेकानंद कहते हैं, राम और सीता भारतीय राष्ट्र के आदर्श हैं। सभी बालक-बालिकाएं विशेषतः कुमारियां सीता की पूजा करती हैं। भारतीय नारी की उच्चतम महत्त्वाकांक्षा यही होती है कि वह सीता के समान शुद्ध, पतिपरायण और सर्व सहिष्णु सर्वसहा बने। भगवान श्रीराम की महानता के पीछे उनके विराट व्यक्तित्व का प्रभाव साफ झलकता है। उनकी वीरता, उनकी उदारता उनकी सत्यनिष्ठा, उनकी निर्भीकता, उनका धैर्य, उनकी दृढ़ता उनके व्यक्तित्व को अद्वितीय बना देती है। उनकी दार्शनिक दृष्टि आज भी रोमांचित करती है। इन सभी विशेषताओं के साथ जीवन जीते हुए उन्होंने जीवन की हर भूमिका को बड़ी संजीदगी के साथ निभाया। आदर्श पुत्र के रूप में जब बात पिता के वचन की आई, तो रघुकुल रीत के अनुसार राजपाट और महलों की तमाम सुख सुविधाओं का त्याग कर जंगल की राह पकड़ ली। भाई के रूप में लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न के साथ उनके स्नेह का उदाहरण बेजोड़ है। रावण जब छल से सीता का हरण कर ले गया, तो विशाल समुद्र जैसी बाधाएं लांघ लंका जाकर रावण की शक्तिशाली सेना को हराकर सीताजी का सकुशल लाते हैं। वनवास के बाद राजा के रूप में उन्होंने जिस नीति और रीति की आधारशीला रखी, वह आज भी हमें बार-बार रामराज्य के उल्लेख के लिए विवश कर देती है। संभवतः हर भूमिका में उनकी दूरदृष्टि और कुशल नीति के ही कारण शुक्र नीति में उनके लिए लिखना पड़ा, 'न राम सदृशो राजा पृथिव्यां नीतिमानभूत' अर्थात पूरी पृथ्वी पर श्रीराम के जैसा नीतिवान शासक कभी हुआ ही नहीं। भारतीय जनमानस पर राम का प्रभाव बेहद गहरा है। वह हमारी अस्मिता के प्रतीक रहे हैं। राम हमारे मन में गढ़े हुए हैं, हमारे भीतर घुल-मिल गए हैं। हम हर भाव में सहज ही उन्हें अंगीकार कर लेते हैं। कोई नया और दुष्कर काम करना हो, तो प्रेरणा के लिए हम भगवान राम की ओर ही देखते हैं। राम हमारी संस्कृति का आधार हैं। श्रीराम भारत की मर्यादा हैं, श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। जीवन का ऐसा कोई पहलू नहीं है, जहां हमारे राम प्रेरणा न देते हों। भारत की ऐसी कोई भावना नहीं है जिसमें प्रभु राम झलकते न हों। श्रीराम के जीवन का एक और भी पहलू है जो सबसे ज्यादा आकर्षित करता है। वह गुण है सबल होते हुए भी सरल होना।

सारी शक्तियां, सारी ताकत होते हुए भी जमीन से जुड़ा होना और एक-एक व्यक्ति से संवाद करना, यही उनकी विशेषता है। आज राम नवमी के दिन हमारे पास अवसर है कि हम उनके जीवन के बहुउपयोगी पहलुओं को भलीभांति समझकर और उनके गुणों को अपनाकर अपने जीवन को एक सार्थक दिशा दें। पश्चिम के भौतिकवाद के प्रभाव में आज भारतीय समाज कई तरह की नकारात्मकताओं से घिर चुका है। इस बदली जीवनशैली में तनाव और अवसाद लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इसके प्रभाव में आकर युवा नशे की चपेट में आ रहे हैं। कम उम्र के न केवल युवा, बल्कि युवतियां भी चिट्टे जैसे घातक सिंथेटिक नशों के साथ पकड़े जा रहे हैं। नशा तस्करी के बढ़ते मामले इस बात की तसदीक करते हैं कि हमारी ऊर्जा के मूल स्रोत यानी हमारे आदर्श हमसे ओझल होते जा रहे हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कोरी नारेबाजी, पोस्टरबाजी या महज चिंताएं जाहिर करने से ये नकारात्मकताएं पीछा छोडऩे वाली नहीं हैं। जिस तरह से एक बंद कमरे में अंधेरे का अफसोस मनाते रहने से कमरा रोशन नहीं हो जाता। उस कमरे में रोशनी की व्यवस्था करने से ही वह अंधेरा दूर भागेगा। वैसे ही नशाखोरी को लेकर कोरी चर्चाएं या चिंताएं करते रहने से समाज में कोई सुधार नहीं होने वाला है। भौतिकवाद से उपजे उस अंधेरे को दूर करने के लिए आध्यात्मिक दिव्यता की लौ जलाना जरूरी है। दिव्यता के शाश्वत स्रोत श्रीराम का जब हम आदर्श के रूप में सहारा ले लेंगे, तो इन नकारात्मकताओं, दुख, अवसाद से बाहर निकलने में मदद मिलेगी। राम को आदर्श के रूप में अपनाने की एक वजह यह भी है कि अब तक जितने भी महापुरुषों ने इस जगत के कल्याण के लिए पृथ्वी पर अवतार लिया।

वैधानिक सूचना

उत्तराखंड प्रहरी के संपादन में हम प्रयासरत है कि हमारी ओर से खबर में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि न हो। हमारी कोशिश है कि अखबार में छपी किसी खबर, रिपोर्ट, फीचर या लेख से व्यक्ति विशेष, संगठन या समुदाय की भावना को ठेस न पहुंचे। **उत्तराखंड प्रहरी** में प्रकाशित लेख, विश्लेषण और साभार, ली गई सामग्री के विचार संबंधित लेखकों और रचनाकारों के निजी विचार हैं, न कि अखबार के। अतः सभी पाठकों से आग्रह है कि वे किसी सूचना, समाचार, विज्ञापनों आदि के आधार पर कोई फैसला करने से पहले तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। उसके लिए किसी भी प्रकार से लेखक, संपादक, प्रकाशक, प्रिंटर या विक्रेता को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। तथा किसी भी कारोबारी और निज निर्णय के लिए **उत्तराखंड प्रहरी** जिम्मेवार नहीं होगा।

गुरुकुल कांगड़ी विवि के दीक्षांत समारोह में पहुंचे अमित शाह, छात्रों को डिग्री और मेडल से नवाजा

देहरादून। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज बृहस्पतिवार को उत्तराखंड पहुंचे हैं। सुबह वे गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के 113वें दीक्षांत समारोह में पहुंचे। यहां उन्होंने 182 छात्र-छात्राओं को गोल्ड मेडल व 181 छात्रों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की।

विवि के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि विवि के 113वें दीक्षांत समारोह में 8 वर्षों के करीब 1800 छात्र-छात्राओं को स्नातक, परास्नातक, पीजी डिप्लोमा, पीएचडी और गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया। वर्ष 2014 से लेकर वर्ष 2022 तक के छात्र-छात्राओं को दीक्षांत समारोह में उपाधि देने के लिए आमंत्रित किया गया था। गृह मंत्री अमित शाह के हाथों पांच विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक दिए गए हैं। भौतिकी विज्ञान से अविशी चौधरी, बीएससी से वैभव कांडवाल, एमएससी कंप्यूटर विज्ञान से प्रज्ञा चौधरी, एमए संस्कृत साहित्य से ओम प्रकाश और एमएससी सूक्ष्म जीव विज्ञान से सागर चिन्नयोटी को स्वर्ण पदक दिया गया। केंद्रीय गृह मंत्री के हाथों स्वर्ण पदक पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद की तपोभूमि गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा देने का कार्य करता है। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबंधित करते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि यहां से शिक्षित और दीक्षित छात्र राष्ट्र विकास में योगदान देंगे। स्वामी दयानंद और स्वामी श्रद्धानंद की वैदिक ज्ञान परंपरा भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाने का कार्य करती है और यहां के छात्र इस परंपरा को जीवित रखेंगे। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. सत्यपाल सिंह ने कहा कि यह एक महान तपस्वी और क्रांतिकारी स्वामी श्रद्धानंद की कर्मस्थली है। कुछ शक्तियां कतिपय निजी स्वार्थ वश संस्था पर गिद्ध दृष्टि रखती हैं और एक संरक्षक के रूप में वे इसकी रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री से विश्वविद्यालय के संरक्षण करने का निवेदन किया। कुलपति प्रो. सोमदेव शतांशु ने कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति पथ अग्रसर है और भारती ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है। अपने विस्तृत प्रतिवेदन में उन्होंने विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों और विभागों की प्रगति के बारे में बताया। नव दीक्षित छात्रों को सत्य अन्वेषण और लोक उपकार के लिए कार्य करने के लिए कुलपति ने दीक्षा उपदेश भी प्रदान किया। समारोह के दूसरे सत्र में कुलाधिपति डॉ. सत्यपाल सिंह और कुलपति प्रो. सोमदेव शतांशु ने पीएचडी, स्नातकोत्तर, स्नातक और स्वर्ण पदक छात्र-छात्राओं को प्रदान किए। दीक्षांत समारोह का संचालन कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने किया। इस अवसर पर दीक्षांत समारोह के मुख्य संयोजक प्रो. श्रवण कुमार शर्मा, संयोजक प्रो. प्रभात कुमार, सह संयोजक डा. अजय मलिक, वित्ताधिकारी प्रो. देवेंद्र गुप्ता, प्रो. डीएस मलिक आदि मौजूद रहे। परमार्थ आश्रम ऋषिकेश के परमाध्यक्ष चिदानंद मुनि, महामंडलेश्वर कैलाशानंद, श्रीमहंत रविंद्र पुरी, यज्ञ मुनि, स्वामी जयंत, आचार्य राजेंद्र, आचार्य विजयपाल शास्त्री, स्वामी प्रणवानंद, स्वामी यतीश्वरानंद, प्रदेश के डीजीपी अशोक कुमार भी मंच पर उपस्थित रहे।

रमजान में बरसती है अल्लाह की रहमतः इरशाद अली

हरिद्वार। भारतीय किसान मजदूर उत्थान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव इरशाद अली ने कहां कि रमजान में अल्लाह की रहमत बरसती है। रामजन में की जाने वाली इबादत खाली नहीं जाती है। अल्लाह रमजान में अपने बंदों को एक नेकी के बदले 70 नेकियों का पुण्य देता है। इरशाद अली ने रोजेदारों को रमजान की मुबारकबाद दी है उन्होंने कहा कि आज सातवां रोजा है। अब दूसरा अशरा शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि रमजान का मुबारक महीना खुद को तमाम गुनाहों से दूर रखकर अल्लाह की इबादत का सुनहरा मौका देता है। यह पाक महीना अल्लाह के नजदीक आने का मौका देता है। इस माह में अल्लाह की रहमत बरसती है। रोजेदार आत्मनियंत्रण के जरिए खुद को बुराइयों से पाक करते हैं। भूख-प्यास पर काबू रखकर बुराइयों से दूर रहते हुए दुनियावी कामों के साथ अपना समय अध्यात्म में बिताते हैं। उन्होंने कहा कि 30 दिनों के रमजान महीने को तीन अशरों (हिस्सों) में बाटा है। रमजान में हर नेकी का सवाब 70 गुना कर दिया जाता है। हर नवाफिल का सवाब सुन्नतों के बराबर और हर सुन्नत का सवाब फर्ज के बराबर कर दिया जाता है।

कन्या पूजन से मां दुर्गा होती है प्रसन्नः दिगंबर करण भारती

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

रामनवमी पर सिद्धपीठ बड़काली मंदिर में 151 कन्याओं का किया पूजन

कन्या पूजन के बिना नवरात्रि व्रत अधूरा हैः करण भारती महाराज

हरिद्वार। नवरात्रि की नवमी के अवसर पर सिद्ध पीठ बड़काली मंदिर के दिगंबर करण भारती महाराज ने 151 कन्याओं का पूजन किया और उन्हें नारियल चुनरी तथा दक्षिणा बैठकर भोजन कराया और विश्व कल्याण की कामना की। ग्राम गैंडी खाता स्थित सिद्ध पीठ बड़कली माता एवं शनि देव मंदिर प्रांगण में कन्या पूजन करते हुए दिगंबर करण भारती महाराज ने कहा कि नवरात्रि संसार को संचालित करने वाली आदिशक्ति मां भगवती की आराधना का पर्व है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म में कन्याओं को मां का साक्षात रूप माना गया है। इसलिए कन्या पूजन के बिना नवरात्रि व्रत अधूरा है। दिगंबर करण भारती महाराज ने कहा कि मां बड़कली बहुत ही दयालु एवं कृपालु हैं जो भक्तों की सुक्ष्म आराधना से ही प्रसन्न होकर उन्हें मनवांछित फल प्रदान करती हैं। नवरात्रि पवित्रता शक्ति और दिव्यता का प्रतीक है, जिसमें मां भगवती के नव स्वरूपों की आराधना की जाती है। बड़काली मंदिर के पुजारी प्रयाग भारती ने कहा कि नवरात्रों में देवी दुर्गा के सभी नौ स्वरूपों की विधि विधान से पूजा अर्चना करने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आता है। उन्होंने कहा कि मां दुर्गा शक्ति पर्याय और करुणा की सागर हैं। सच्चे मन से मां जगदंबे की आराधना करने वाले भक्तों की प्रार्थना मां देवी अवश्य सुनती है और भक्तों की पुकार पर उनके सभी कष्ट और परेशानी को दूर करती हैं। इस अवसर पर अशोक भारती, शिव मुनि, ओम प्रकाश ओम, पप्पू, रोहित कुमार, मन्नू सिंह, संतु, बिट्टू, जीवन, पूरण सिंह, नीरज, सोनू, भारती महाराज, राकेश सैनी, स्वयंवर सिंह, शेखर, हरि रावत, गोविंद सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे।

आमजन की आवाज थे पत्रकार तनुज वालियाः कृष्ण लाल प्रजापति

जगजीतपुर वार्ड वासियों ने दी दिवंगत पत्रकार तनुज वालिया को श्रद्धांजलि

गौरव कुमार, उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। दिवंगत वरिष्ठ पत्रकार तनुज वालिया के निधन पर जगजीतपुर के वार्ड वासियों ने गहरा दुख जताया है। समाजसेवी कृष्ण लाल प्रजापति के नेतृत्व में जगजीतपुर के वार्ड वासियों ने तनुज वालिया के चित्र पर पुष्प अर्पित कर और दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की है और उनके निधन को कभी न पूरा होने वाली क्षति बताया है।

समाजसेवी कृष्ण लाल प्रजापति ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वरिष्ठ पत्रकार तनुज वालिया आम जन की आवाज थे। वह हमेशा जरूरतमंद और बेसहारा लोगों की मदद के लिए तैयार रहते थे। उन्होंने पत्रकारिता करते हुए समाज सेवा के रूप में कई अनुकरणीय कार्य किए हैं। वह हमेशा अन्याय के खिलाफ लड़ते थे। उन्होंने अपनी कलम के जरिए क्षेत्र की कई समस्याओं का निस्तारण कराया। जबकि तमाम लोगों को न्याय दिलाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तनुज वालिया एक ऐसे पत्रकार थे जो हमेशा जनता के हक के लिए खड़े रहते थे और उनके दर्द को अपना दर्द समझते हुए कभी भी किसी भी संघर्ष से पीछे नहीं हटते थे। उनके निधन से गहरा आघात पहुंचा है।

पार्षद विकास कुमार व वीरेंद्र कुमार ने कहा कि वरिष्ठ पत्रकार तनुज वालिया एक पत्रकार होने के साथ-साथ एक बेहतरीन इंसान थे वह हमेशा दूसरों के लिए संघर्ष करते थे अपनी कलम के माध्यम से लोगों को न्याय दिलाने का काम उन्होंने किया है सिस्टम से लड़कर है लोगों को उनका हक दिलाने में हमेशा आगे खड़े रहते थे। कनखल ही नहीं बल्कि जनपद भर में उन्होंने कई जटिल समस्याओं को समाचारों के माध्यम से प्रमुखता से उठाया और उनका समाधान कराया।

उनका निधन अपूरणीय क्षति है। उनकी कमी जगजीतपुर वासियों को हमेशा खलेगी। श्रद्धांजलि देने वालों में जानवी प्रजापति, अनुष्का प्रजापति, रीना धीमान, मीनू कश्यप, रवि धीमान, संदीप, मोनू कश्यप, प्रवेश धीमान, साहिल प्रजापति, बबलू पाल, कार्तिक राजपूत, रोहित कुमार, टीनू कुमार, मोहन सहित बड़ी संख्या में जगजीतपुर वार्ड वासी उपस्थित रहे।

हरिद्वार में यूथ कांग्रेस केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को दिखाए काले झंडे

कालू वर्मा, (उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो)

हरिद्वार। यूथ कांग्रेसियों ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि तानाशाह सरकार के प्रधानमत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह अपनी तानाशाही पर उतारू है जोकि आम जनता की आवाज को दबाते हुए लोकतंत्र की हत्या कर रहे है। अमित शाह के हरिद्वार आने पर कांग्रेसियों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और अमित को काले झंडे दिखाए।

युवा कांग्रेसियों ने कहा अमित अमित शाह को धर्म नगरी हरिद्वार जाने से पहले 100 बार सोचना चाहिए था कि इस धर्म नगरी हरिद्वार की बेटी अंकिता भंडारी के साथ भाजपा पार्टी के मंत्री के बेटे ने क्या दुष्कर्म किया था।

अपने मायके में ही मैली हो रही गंगा...नदी किनारे बने डंपिंग जोन से भागीरथी में गिर रही गंदगी

देहरादून। अपने मायके गंगोत्री से महज 100 किमी की दूरी पर ही गंगा मैली हो रही है। यहां भागीरथी नदी के ठीक किनारे नगर पालिका सारे शहर का कूड़ा डंप कर रही है। यह कूड़ा सीधे नदी में गिर रहा है। गंगोत्री के बाद पड़ने वाले पहले ही शहर के कई गंदे नाले भी सीधे भागीरथी में गिर रहे हैं। गंगा अपने मुहाने पर ही प्रदूषित हो रही है, इसकी चिंता न जिला प्रशासन को है और न पालिका और न गंगा स्वच्छता से जुड़ी राज्य और केंद्र की नमामि गंगे जैसी एजेंसियों को। पांच साल पहले नगर पालिका बाड़ाहाट (उत्तरकाशी) ने तांबाखाणी सुरंग से लगी सड़क के किनारे कूड़ा डंपिंग जोन बनाया था। भागीरथी इस सुरंग के और शहर के ठीक बीच में बहती है। आगे ऋषिकेश पहुंच कर यही भागीरथी नदी पवित्र गंगा के नाम से जानी जाती है।

नगर पालिका का कहना है कि शहर में कहीं भी डंपिंग जोन के लिए जगह नहीं है। यहां क्षमता से अधिक एकत्र कूड़ा अब पहाड़ का रूप ले चुका है। यह कूड़ा नीचे नदी में गिर रहा है और ऊपर हाईवे पर भी फैल रहा है। बारिश होने पर कूड़े का पानी सीधे नदी में मिल जाता है। कूड़े से उठती दुर्गंध पूरे शहर में फैल रही है। दुर्गंध के कारण सुरंग से गुजरना भी दूभर है।

श्री अखंड परशुराम अखाड़ा के कार्यालय पर धूमधाम से मनायी गयी रामनवमी

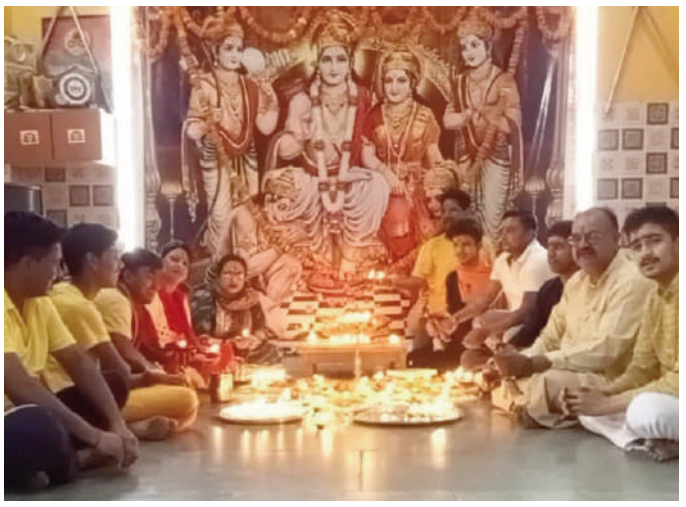

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। श्री अखंड परशुराम अखाड़े के कार्यालय पर रामनमवी धूमधाम से मनायी गयी। इस अवसर पर निकुल विहार स्थित अखाड़े के कार्यालय पर दीप प्रज्वलित कर फूलों से रंगोली बनायी गयी और सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। श्री अखंड परशुराम अखाड़े के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक ने बताया कि भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का अवतार दुष्ट राक्षसों का संहार करने के लिए हुआ था। भगवान श्रीराम ने माता पिता की आज्ञा का पालन करते हुए वनवास जाना स्वीकार किया।

वनवास में जाकर उन्होंने अनेकों अनेक राक्षसों का वध किया। रावण के साथ युद्ध करते हुए रावण का भी वध किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र से सभी को प्रेरणा लेते हुए माता पिता की आज्ञा का पालन करें। माता पिता और गुरु की सेवा करें एवं धर्म की रक्षा का संकल्प लेकर आगे बढ़ें। इस अवसर पर स्वामी रूद्रानंद सरस्वती, भागवताचार्य पंडित पवन कृष्ण शास्त्री, सोनिया कौशिक, कुलदीप शर्मा, हर्ष पंडित, विष्णु गौड, अर्णव शर्मा, राजीव बिष्ट, स्मित कौशिक, अनुराग अरोड़ा, रोहित शर्मा, सूरज अग्रवाल, जितेंद्र चंद्रा, हरिओम व अखाड़े के विद्यार्थी मौजूद रहे।

वनवास में जाकर उन्होंने अनेकों अनेक राक्षसों का वध किया। रावण के साथ युद्ध करते हुए रावण का भी वध किया।

समाज का नैतिक पतन रोकने के लिए रामकथा जैसे धार्मिक आयोजन समय की मांग

राम कथा के तीसरे दिन कथा व्यास ने शिव विवाह का प्रसंग सुनाकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। कथा व्यास स्वामी हरिदास महाराज ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का जीवन सद्गुणों की भंडार है। उन्होंने संसार के सामने आदर्श के उच्च मापदंडों को स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि राम जैसा पुत्र, भाई, पति और पिता मिलना संसार में दुर्लभ है। अपने गुणों के कारण ही भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम राम के नाम से जाना जाता है।

बताते चले कि श्री बालाजी धाम, सिद्धबलि हनुमान नर्मदेश्वर महादेव मंदिर के प्रांगण में चल रही रामकथा की तीसरे दिन कथा व्यास हरिदास जी महाराज ने भक्तों को शिव विवाह का प्रसंग सुना कर भाव विभोर कर दिया। इस मौके पर आलोक गिरी महाराज ने बताया कि समाज का नैतिक पतन तेजी से हो रहा है। गिरते हुए समाज का स्तर उठाने के लिए राम कथा जैसे धार्मिक आयोजनों को नियमित रूप से क्या जाना समय की मांग है। महापुरुषों के जीवन चरित्र को सुनकर एवं अपनाकर लोग जीवन स्तर सुधार सकते हैं। श्री राम कथा में महंत केदार गिरी महाराज, स्वामी आलोक गिरी महाराज पुजारी मनकामेश्वर महाराज, शंकर गिरी महाराज, अनिल मिश्रा, प्रदीप गुर्जर, विकास मास्टर, ओम प्रकाश मालिक, पंडित विनय मिश्रा, सोहन चंद डोंडरियाल, कालका प्रसाद कोठारी, रमेश रावत, कामेश्वर यादव, सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

होंडा वित्त वर्ष 2024 में दो ईवी करेगी पेश

मानेसर। दोपहिया वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने वित्त वर्ष 2024 में दो इलेक्ट्रिक वाहन पेश करने का आज ऐलान किया। इसके साथ ही कंपनी ने अपने ईवी योजनाओं और भावी कारोबारी योजनाओं का खुलासा करते हुये वर्ष 2030 तक 10 लाख इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उत्पादन तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया है। कंपनी ने भारत में ईवी योजनाओं के लिए 3 ई पर आधारित अवधारणा तय की है। इसमें फैक्टरी 'ई', प्लेटफार्म ई और वर्कशॉप ई शामिल है। कंपनी के अध्यक्ष एवं सीईओ आत्सुशी ओगाता ने आज यहां स्थिति संयंत्र में पत्रकारों के भ्रमण के दौरान कहा "2040 तक इलेक्ट्रिक वाहन एवं फ्यूल सैल वाहनों के अनुपात को 100 फीसदी तक बढ़ाने के होंडा के विश्वस्तरीय दृष्टिकोण के मद्देनज़र, हम फ्लेक्स फ्यूल इंजन की शुरूआत के साथ आईसीई इंजनों की दक्षता में सुधार जारी रखे हुए हैं और साथ ही मॉडल्स एवं इकोसिस्टम के विद्युतीकरण के साथ वैकल्पिक ईंधनों के लिए सरकारी निर्देशों का अनुपालन कर रहे हैं। ईवी की बात करें तो हम भारत की सर्वश्रेष्ठ ईवी कारोबार संरचना बनाने और स्थायी परिवहन के विकास में अग्रणी होने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारी ईवी योजनाओं को अब अंजाम दिया जा रहा है, हम आकर्षक इलेक्ट्रिक वाहनों की व्यापक रेंज के निर्माण के लिए एक्सक्लुज़वि इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास कर रहे हैं। साथ ही हम ईवी टेकनोलॉजी के विकास, चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर और आफ्टरसेल्स सर्विसेज़ में भी निवेश कर रहे हैं।"

उन्होंने कहा कि तीन ई पर आधारित अवधारणा में फैक्टरी 'ई' के तहत निर्धारित ईवी निर्माण युनिट इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, विशेष मैनुफैक्चरिंग युनिट- फैक्टरी ई की स्थापना कर्नाटक में एचएमएसआई के नरसापुरा प्लांट में की जा रही है। यह फैक्टरी विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन पर ध्यान केन्द्रित करेगी, इसे इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि यह उच्च दक्षता एवं अधिकतम उत्पादन मूल्य के साथ उत्पादन को अनुकूलित कर सके।सरकार के 'मेक इन इंडिया' एवं स्थानीकृत निर्देशों के अनुरूप, होंडा के इलेक्ट्रिक वाहनों में स्वदेश में निर्मित कम्पोनेन्ट्स जैसे बैटरियों एवं पीसीयू का उपयोग किया जाएगा। एचएमएसआई के इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए मोटर का डिज़ाइन एवं उत्पादन भी होंडा द्वारा इन-हाउस होगा। इसके अलावा, फैक्टरी 80 फीसदी सस्टेनेबल मटीरियल रेशो एवं 100 फीसदी रीन्युएबल एनर्जी रेट के साथ स्थायित्व पर विशेष ज़ोर देगी। 2030 तक 10 लाख ईवी के उत्पादन के लिए चरणबद्ध तरीके से आधुनिक ऑटोमेटेड सुविधा का संचालन शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्लेटफॉर्म ई के तहत समर्पित ईवी प्लेटफॉर्म एचएमएसआई ने भावी ईवी प्लेटफॉर्म है। प्लेटफॉर्म ई का विकास किया गया है जो विभिन्न प्रकार के ईवी मॉडलों के लिए फाउन्डेशन की तरह काम करेगा। इसमें फिक्स्ड बैटरी टाईप, स्वैपेबल बैटरी टाईप और मिड.रेंज ईवी शामिल हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग को ध्यान में रखते हुए नए उपभोक्तओं की यात्रा को आसान बनाने के लिए एचएमएसआई ने प्रोजेक्ट विद्युत की शुरूआत भी की है। इस परियोजना के तहत एचएमएसआई वित्त वर्ष 2024 में दो नए दोपहिया ईवी लॉन्च करेगी। पहला मिड रेंज इलेक्ट्रिक वाहन और दूसरा स्वैपेबल बैटरी टाईप जिसमें होण्डा के मोबाइल पावर पैक का इस्तेमाल होगा। श्री ओगाता ने कहा कि वर्कशॉप ई के तहत भविष्य के ईवी के लिए उपभोक्ताओं को आरामदायक एवं उच्च गुणवत्ता की यात्रा का अनुभव प्रदान करना एचएमएसआई का मुख्य उद्देश्य है। उपभोक्ताओं की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए एचएमएसआई के मौजूदा 6000 से अधिक नेटवर्क टचपॉइन्ट पर चार्जिंग स्टेशन इंस्टॉल किए जाएंगे। इनमें से कुछ को वर्कशॉप ई में बदला जाएगा। इस एक्सक्लुज़वि सेट अप में एचईआईडी बैटरी एक्सचेंजर, स्वैपेबल बैटरी टाईप के लिए मिनी बैटरी एक्सचेंर और फिक्स्ड बैटरी टाईप के लिए चार्जिंग केबल्स होंगे।

नथिंग फोन 2 भारत में जल्द होगा लांच

नई दिल्ली। कार्ल पई की नई कंपनी नथिंग फोन 2 ने हाल ही में नथिंग ईयर 2 को लांच किया है और अब खबर है कि नथिंग का नया फोन भी आने वाला है। नथिंग फोन 2 को भारतीय मानक ब्यूरो पर देखा गया है। बीआईएस पर नथिंग फोन 2 को सर्टिफिकेट भी मिल गया है। ऐसे में फोन की लांचिंग जल्द हो सकती है। फिलहाल नथिंग के चार प्रोडक्ट मार्केट में हैं जिनमें नथिंग फोन 1, नथिंग ईयर 1, नथिंग ईयर स्टीक और नथिंग ईयर 2 शामिल हैं। नथिंग फोन 1 को पिछले साल जुलाई में लांच किया गया था। एक भारतीय टिप्स्टर के मुताबिक नथिंग फोन 2 बाआईएस की वेबसाइट पर लिस्ट हो गया है। नथिंग फोन 2 का मॉडल नंबर एआईएन 065 है, हालांकि इसके फीचर्स के बारे में फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है। नथिंग की ओर से भी नथिंग फोन 2 की लांचिंग को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है। नथिंग के फाउंडहर कार्ल पेई ने एम डबल्यू सी 2023 में कहा था कि नथिंग फोन 2 को क्वॉलकॉम स्नैपड्रैगन 8 सीरीज के चिपसेट के साथ पेश किया जाएगा, हालांकि नथिंग के एक एक्जिक्यूटिव ने कहा है कि फोन को स्नैपड्रैगन 8 + जेन 1 प्रोसेसर के साथ पेश किया जाएगा। इसके अलावा उम्मीद की जा रही है कि नथिंग फोन 2 को 12जीबी रैम और 256 जीबी स्टोरेज में लांच होगा। फोन में 5000 एमएच की बैटरी मिलेगी। आपको याद दिला दें कि नथिंग फोन 1 को भारत में पिछले साल 32,999 रुपये की शुरुआती कीमत पर लांच किया गया था। यह कीमत फोन के 8 जीबी रैम और 128 जीबी स्टोरेज की है।

27 हजार करोड़ के रक्षा सौदों को मंजूरी, एयर डिफेंस सिस्टम के लिए 6 हजार करोड़ की हुई डील

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत मेक इन इंडिया को और मजबूती देने के लिए भारतीय कंपनियों से 27 हजार करोड़ रुपये का सौदा किया है। इसके तहत सेना के विभिन्न अंगों के लिए हथियारों, समुद्री पोतों, मिसाइल प्रणालियों व अन्य उपकरणों की खरीद होनी है। सबसे अधिक 19600 करोड़ रुपये का रक्षा सौदा नौसेना के लिए अगली पीढ़ी के 11 गश्ती पोतों और अगली पीढ़ी के छह मिसाइल युक्त पोतों की खरीद के लिए किया गया है। वहीं, थल सेना ने भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के साथ 6000 करोड़ रुपये के आकाश एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम की दो रेजिमेंट की खरीद का सौदा किया है। इसके अलावा, रक्षा मंत्रालय ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) को 13 लाइनेक्स -यू2 फायर कंट्रोल सिस्टम के लिए 1700 करोड़ रुपये का आदेश दिया है। रक्षा मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार 11 गश्ती पोतों के निर्माण का ठेका गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) और गार्डन रीच शिपबिल्डिंग एंड इंजीनियर्स (जीआरएससी), कोलकाता को दिया गया है।

Moto G13 भारत में लांच, जानें कीमत और फीचर्स

नई दिल्ली। Motorola ने आज अपना नया स्मार्टफोन Moto G13 भारत में लांच कर दिया है। Moto G13 में 6.5 इंच की IPS LCD डिस्प्ले दी गई है। 5000mAh की बैटरी वाला यह फोन 50 मेगापिक्सल कैमरा से लैस है। कीमत की बात करें तो Moto G13 के 4GB RAM + 128GB स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 9,999 रुपए है। वहीं 4GB RAM + 64GB स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 9,499 रुपए है। यह स्मार्टफोन 5 अप्रैल, 2023 दोपहर 12 बजे से बिक्री के लिए Flipkart पर उपलब्ध होगा।

Moto G13 के फीचर्स की बात करें तो फोन में 5000mAh की बैटरी दी गई है, जो कि 10W फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए यह फोन Android 13 पर काम करता है। फोन में ऑक्टा कोर MediaTek Helio G85 प्रोसेसर दिया गया है। इस फोन में 4GB रैम और 128GB इंटरनल स्टोरेज दी गई है, जिसे माइक्रोएसडी कार्ड द्वारा बढ़ाया जा सकता है। कैमरा सेटअप की बात की जाए तो Moto G13 में f/1.8 अपर्चर के साथ 50 मेगापिक्सल का पहला कैमरा, f/2.4 अपर्चर के साथ 2 मेगापिक्सल का दूसरा कैमरा और f/2.4 अपर्चर के साथ 2 मेगापिक्सल का तीसरा कैमरा दिया गया है। वहीं इसके फ्रंट में f/2.0 अपर्चर के साथ 8 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा दिया गया है।

सर्जरी कराने की बजाय NCA पहुंचे श्रेयस अय्यर, WTC फाइनल के चलते लिया यह फैसला

बेंगलुरु। भारतीय मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर अपनी कमर में बार-बार उठने वाले दर्द के संबंध में यहां राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (NCA) पहुंच गए हैं। क्रिकबज़ की ओर से बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, अय्यर सात जून से होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) फाइनल में भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं, इसलिए उन्होंने सर्जरी से गुज़रने के बजाय एनसीए में सामयिक उपचार करवाने का फैसला लिया है। अय्यर गुरुवार को एक इंजेक्शन लेंगे जिसके बाद एनसीए का स्टाफ अकादमी में उनके रहने की अवधि पर निर्णय लेगा।

गौरतलब है कि भारत को इंग्लैंड के ओवल मैदान पर होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया का सामना करना है। अगर अय्यर सर्जरी करवाते हैं तो वह कम से कम छह महीने के लिए क्रिकेट से दूर हो जाएंगे। क्रिकबज़ ने अय्यर के एक करीबी सूत्र के हवाले से कहा, "उन्होंने एनसीए अधिकारियों और विशेषज्ञ डॉक्टर से मुलाकात कर चुके हैं। ऑपरेशन स्थगित करने को लेकर सभी एकमत हैं। वह विशेषज्ञ की राय पर अमल करेंगे।" कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अय्यर इस समस्या के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के शुरुआती चरण में भी हिस्सा नहीं ले सकेंगे, हालांकि केकेआर के कोच चंद्रकांत पंडित को उम्मीद है कि वह टूर्नामेंट में कुछ न कुछ भूमिका जरूर निभाएंगे। चंद्रकांत ने मंगलवार को हुए संवाददाता सम्मेलन में कहा था, "श्रेयस की गैरमौजूदगी बहुत प्रभाव डालेगी क्योंकि वह महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। हम उम्मीद कर रहे हैं कि श्रेयस जल्द ही वापस आयेगा और इससे टीम में काफी फर्क पड़ेगा।

वेस्टइंडीज ने तीसरा टी-20 जीता, साउथ अफ्रीका को दी सात रन से मात, सीरीज पर 2-1 से कब्जा

जोहानसबर्ग। वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के बीच तीन टी.20 मैच की सीरीज का आखिरी मैच जोहानसबर्ग में मंगलवार रात खेला गया। वेस्टइंडीज ने तीसरे और आखिरी मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 7 रन से हराया। इसके साथ ही टीम ने 2.1 की बढ़त बनाते हुए ट्रॉफी पर भी कब्जा जमाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ अफ्रीका ने 220 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीका सिमित 20 ओवर में 213 रन ही बना सका। टॉस जीत कर साउथ अफ्रीका ने पहले फील्डिंग करने का फैसला लिया। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी की। सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग 36 और काइल मेयर्स 17 रन बना कर आउट हो गए। हालांकि दोनों खिलाड़ी पॉवरप्ले में अपनी टीम को अच्छी शुरुआत देने में कामयाब रहे। जॉनसन चार्ल्स पहली बॉल पर ही आउट हो गए। उन्हें राबाडा ने चलता किया। इसके बाद टीम के पूर्व कप्तान निकोलस पूरन बल्लेबाजी करने उतरे। उन्होंने पारी को गति दीऔर 19 बॉल में 41 रन जड़ दिए। कप्तान रोवमैन पॉवेल 11, रेमन रीफर 27 और जेसन होल्डर 13 रन बना कर आउट हुए। अंत में रोमारियो शेफर्ड ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 22 बॉल में 44 रन की पारी खेली। टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट को कर 220 रन बनाए। साउथ अफ्रीका की गेंदबाजी बढिया रही। लुंगी एंगिदी कागिसो रबाड़ा और नॉर्त्या 2.2 विकेट मिले। वहीं एडेन मारक्रम को 1 विकेट हासिल हुआ। 220 रन के दिए टारगेट का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका टीम के सलामी बल्लेबाजी क्विंटन डी कॉक और रीजा हैनरिक्स ने टीम को शानदार शुरुआत दी। डी कॉक 21 रन बना कर आउट हुए। इसके बाद हैनरिक्स और राइली रूसो ने पारी संभाली। वहीं रूसो ने 21 गेंद पर 42 रन बनाए। लेकिन यह पारी टीम के काम नहीं आई। मिलर 11 और कप्तान मारक्रम ने नाबाद 35 रन बनाए, लेकिन 20 ओवर में साउथ अफ्रीका 213 रन ही बना सही और मैच हार गई।

अर्जेंटीना के लिए लियोनल मेसी का एक और रिकॉर्ड, फ्रेंडली मुकाबले में क्युरासाओ को 7-0 से हराया

अर्जेंटीना। फुटबॉल में इस समय इंटरनेशनल ब्रेक चल रहा है। इसी बीच सभी प्लेयर्स क्लब छोड़ अपनी नेशनल टीम के लिए मुकाबले खेल रहे है। इसी बीच मंगलवार देर रात अर्जेंटीना और क्युरासाओ के बीच अर्जेंटीना में फुटबॉल का फ्रेंडली मैच खेला गया। इसमें अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी ने 3 गोल स्कोर किए। वहीं अर्जेंटीना ने क्युरासाओ को 7-0 से हराया। मेसी के अलावा एंजेल डी मारिया, निकोलस गोंजालनेस, एंजो फर्नांडेज और गोंजालो मोंटियल ने गोल स्कोर किए।

हैट्रिक के साथ ही मेसी के इंटरनेशनल फुटबॉल में 100 गोल भी पूरे हुए। अब उनके इंटरनेशनल फुटबॉल में 102 गोल हो गए हैं। मेसी वर्ल्ड फुटबॉल में तीसरे सबसे ज्यादा इंटरनेशनल गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। अर्जेंटीना में वे सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं।

अतंरराष्ट्रीय

इंदौर में रामनवमी पर बड़ा हादसा; मंदिर में बावड़ी की छत धंसी, कई श्रद्धालु अंदर गिरे, रेस्क्यू जारी

इंदौर/भोपाल। इंदौर में रामनवमी के दिन बड़ा हादसा पेश आया है। यहां एक धार्मिक स्थल परिसर में पुरानी बावड़ी की छत धंसने से अनेक श्रद्धालु अंदर गिर गए। उन्हें निकालने के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए प्रशासन को श्रद्धालुओं को सुरक्षित निकालने के निर्देश दिए हैं।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार स्थानीय पटेल नगर स्थित एक मंदिर परिसर में पुरानी बावड़ी के ऊपर बनी छत धसक गई। इस वजह से मंदिर परिसर में आए श्रद्धालु फंस गए। कुछ लोगों के घायल होने की भी सूचना है। सूचना मिलते ही संभागायुक्त और कलेक्टर भी मौके पर पहुंच गए और राहत एवं बचाव कार्य जारी हैं। घायलों को अस्पताल ले जाने की व्यवस्था भी की गई है।

इस बीच मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इंदौर के वरिष्ठ अधिकारियों से फोन पर चर्चा की और राहत एवं बचाव कार्य और तेज करने के लिए कहा। मुख्यमंत्री कार्यालय इंदौर जिला प्रशासन से लगातार संपर्क में है। कुछ लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है, लेकिन कुछ लोग अब भी फसे हुए हैं।

अमरीकी सेना के दो ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, प्रशिक्षण के दौरान हुआ हादसा

वाशिंगटन। अमरीका की सेना के दो ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर प्रशिक्षण अभियान के दौरान केंटुकी में दुर्घटनाग्रस्त हो गए। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अमरीकी सेना के दो ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर बुधवार को प्रशिक्षण अभियान के दौरान केंटुकी में दुर्घटनाग्रस्त हो गए। चालक दल के सदस्यों की स्थिति के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है।

केंटुकी के प्रांतीय गवर्नर एंडी बेशियर ने घटना की पुष्टि की है। बेशियर ने ट्वीट किया, " हमें फोर्ट कैंपबेल से हेलीकॉप्टर दुर्घटना की रिपोर्टें मिली है। स्थानीय पुलिस और प्रशासन के अधिकारी घटना की रिपोर्ट दे रहे हैं। हम और अधिक जानकारी उपलब्ध होने पर इसे साझा करेंगे।" दूसरी तरफ स्थानीय रेडियो स्टेशन डब्ल्यूकेडीजेड ने दुर्घटना में कई लोगों के मारे जाने की रिपोर्टें दी है।

अमरीका राष्ट्रपति चुनाव: आधे से अधिक रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन में, सर्वे में खुलासा

वाशिंगटन। अमेरिका में 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उम्मीदवारी का करीब 54 फीसदी रिपब्लिकन मतदाताओं ने समर्थन किया है जो कि फ्लोरिडा प्रांत के गवर्नर रॉन डीसांटिस का समर्थन करने वाले लोगों की दोगुनी संख्या से भी अधिक है। फॉक्स न्यूज के सर्वेक्षण की गुरुवार को प्रकाशित रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। सर्वेक्षण के मुताबिक 24 फीसदी लोगों ने श्री डीसांटिस का समर्थन किया है। गत फरवरी के बाद से श्री ट्रंप की रेटिंग में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि श्री डीसांटिस के समर्थन में चार फीसदी की कमी आई है। गत 24-27 मार्च तक आयोजित इस सर्वेक्षण में 1007 लोगों से सवाल किए गए थे।

छोटी खबरें

मां-बाप की हत्या के आरोप में पुत्री को हिरासत में लिया, किशोर न्याय बोर्ड में होगी पेशी

बुलंदशहर (उप्र)। बुलंदशहर जिले के शिकारपुर थाने की पुलिस ने कथित तौर पर मां-बाप की हत्या करने वाली एक नाबालिग किशोरी को हिरासत में ले लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बुलंदशहर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) श्लोक कुमार ने बताया कि शिकारपुर थाना इलाके के फारूखी नगर लाल दरवाजा मोहल्ले के रहने वाले शब्बीर (45) और उनकी पत्नी रिहाना (42) का शव 15 मार्च की सुबह उनके घर में लहूलुहान हालत में पड़ा मिला था। उन्होंने बताया कि मामले के पर्दाफाश के लिए शिकारपुर के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी। उन्होंने कहा कि पुलिस की छानबीन में यह बात सामने आई कि दंपति की 16 साल की बड़ी पुत्री ने ही दोनों की हत्या की है। पूछताछ व अन्य साक्ष्य के आधार पर आरोपी पुत्री को पुलिस ने अभिरक्षा में ले लिया और उसे किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। मामले में अग्रिम विधिक कार्वाई सुनिश्चित की जा रही है। एसएसपी ने बताया कि जब किशोरी से पूछताछ की गई तो उसने कहा कि उसकी लड़कों से बातचीत होती थी, जिससे उसके माता-पिता नाखुश रहते थे और कई बार पिटाई भी की थी, जिससे वह काफी क्षुब्ध थी। हत्या का ब्यौरा देते हुए उन्होंने बताया कि घटना वाले दिन इसने एक युवक से नशे की 20 गोली मंगवाई और अपने मां-बाप के खाने में मिला दी, जिसके बाद वह बेहोश हो गए। उन्होंने बताया कि इसके बाद आरोपी ने एक कुल्हाड़ी से अपने मां-बाप के सिर पर वार किया जिससे उन दोनों की वहीं मौके पर मौत हो गई। एसएसपी ने बताया कि सुबह आरोपी किशोरी ने ही लोगों को सूचना दी कि कुछ अज्ञात लोगों ने उसके माता-पिता को मार दिया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ और उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिया गया है।

नोएडा में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली

नोएडा। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) ने नोएडा के सेक्टर 150 में अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट मैचों के अलावा आईपीएल भी खेला जाएगा। उप्र क्रिकेट एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंकित चटर्जी ने बताया कि उनकी समिति ने स्टेडियम के निर्माण के प्रस्ताव को अनुमति दे दी है। इस स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय मानक के हिसाब से सुविधाएं दी जाएगी। उन्होंने बताया कि स्टेडियम तैयार होने के बाद नोएडा में सभी तरह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों को आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कानपुर, लखनऊ और वाराणसी के बाद नोएडा उत्तर प्रदेश का चौथा शहर होगा, जहां अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी बनेगी। इसके लिए जमीन अधिग्रहीत कर ली गई है। चटर्जी ने कहा कि अगर जमीन मिली तो गाजियाबाद में भी एक ऐसा ही स्टेडियम बनाया जाएगा। लोटस ग्रीन्स स्पोर्ट्स सिटी के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि उन्हें सेक्टर 150 में स्टेडियम विकसित करने के लिए यूपीसीए से मंजूरी मिल गई है। प्रवक्ता ने कहा कि खेल को ध्यान में रखकर बनाए जा रही इस टाउनशिप में टाटा, गोदरेज, बिरला, हीरो ग्रुप, प्रेसटीज जैसे नामी उद्योग घरानों को शामिल किया गया है।

डेवलपर्स के अनुसार काम शुरू होने के तीन साल के अंदर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम तैयार हो जाएगा। इस स्टेडियम में 40 हजार लोगों के बैठने की सुविधा होगी। खेल क्षेत्र का क्षेत्रफल 137.6 मीटर होगा। एक डेवलपर्स ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम स्पोर्ट्स सिटी प्रोजेक्ट का हिस्सा है। इसमें एक ही छत के नीचे कई खेलों से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। स्टेडियम नोएडा के सेक्टर 150 में नोएडा एक्सप्रेसवे के पास बनाया जाएगा।

उत्तराखंड : बर्फबारी की वजह से केदारनाथ के पैदल मार्ग पर बर्फ की चादर बिछी

यात्रा की तैयारियों में आ रही बाधा

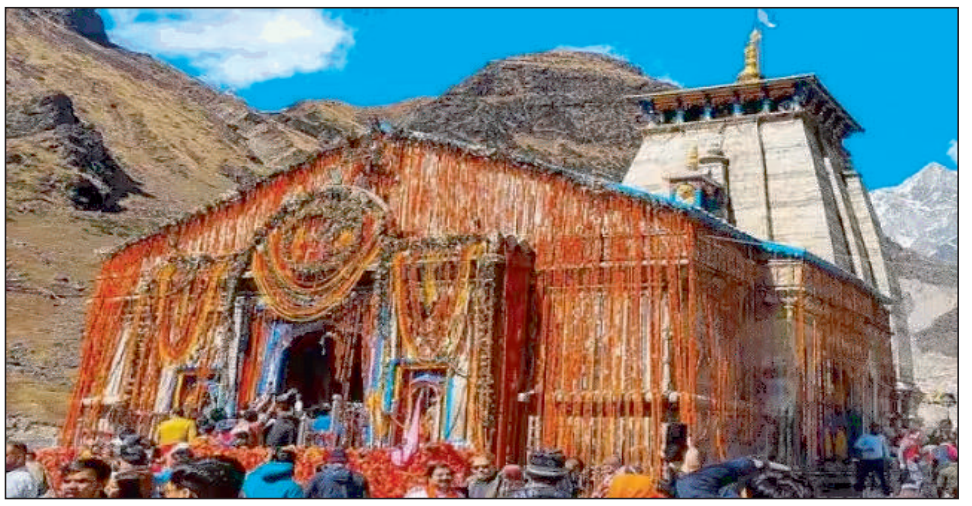

रुद्रप्रयाग (उत्तराखंड)। केदारनाथ धाम में पिछले कुछ दिनों से मौसम खराब होने तथा रुक-रुक कर बर्फबारी होने से यात्रा की तैयारियों में बाधा आ रही है क्योंकि यहां आने के पैदल मार्ग एक बार फिर ताजा बर्फ से भर गए हैं।

केदारनाथ धाम के कपाट 25 अप्रैल को खुल रहे हैं और यात्रा की तैयारियों के लिए अब एक माह से भी कम का समय बचा है। पिछले कुछ दिनों में हुई बर्फबारी से भैंरो और कुबेर क्षेत्रों के पास बड़े हिमखंड आ गए हैं, जिनसे पैदल यात्रा मार्ग फिर अवरुद्ध हो गया है। खराब मौसम के बीच मार्ग को सुचारू बनाए रखने के लिए रूद्रप्रयाग जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को खासी मशक्कत करनी पड़ रही है।

रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने श्री केदारनाथ मंदिर की यात्रा को सुगम एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए अधिकारियों को 15 अप्रैल तक की समय सीमा दी है। प्राधिकरण के अभियंता सुरेन्द्र रावत ने बताया कि केदारनाथ धाम के यात्रा मार्ग से बर्फ हटाने का कार्य पहले ही पूर्ण कर लिया गया था और रास्ता आवाजाही खोल दिया गया था। हालांकि, उन्होंने कहा कि खराब मौसम के चलते अब फिर से कई स्थानों पर हिमखंड आने से रास्ता बंद हो गया है।

अभियंता ने बताया कि यात्रा मार्ग को सुचारू करने के लिए श्रमिकों को काम पर लगाया गया है, लेकिन खराब मौसम के कारण उन्हें कार्य करने में काफी परेशानी हो रही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी श्रमिक बर्फ हटाने का कार्य कर रहे हैं ताकि मार्ग को आवाजाही हेतु जल्द से जल्द खोला जा सके। इसके अलावा, केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग में टूटी रेलिंग का मरम्मत कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है तथा जल संस्थान द्वारा यात्रा मार्ग में तीर्थ यात्रियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराए जाने के लिए पेयजल स्टैंड पोस्ट, हैंडपम्प एवं पेयजल लाईनों का मरम्मत कार्य तेजी से किया जा रहा है।

मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान-शाही ईदगाह मामले में अदालत ने अमीन रिपोर्ट मांगी

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह विवाद मामले में मथुरा के सीनियर डिवीजन दीवानी न्यायाधीश की त्वरित अदालत ने राजस्व विभाग से मौके पर अमीन रिपोर्ट तलब की है। अदालत ने इसके लिए 17 अप्रैल तक का समय दिया है।

उल्लेखनीय है कि इस मामले में एक बार पहले भी दीवानी न्यायाधीश सीनियर डिवीजन (तृतीय) द्वारा 22 दिसम्बर, 2022 में अमीन रिपोर्ट मंगाए जाने संबंधी आदेश दिए जा चुके हैं। लेकिन, तब प्रतिवादी पक्ष द्वारा अदालत में आदेश के खिलाफ आपत्ति दर्ज कराए जाने के कारण यह आदेश लंबित चल रहा था।

हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता शैलेष दुबे ने बताया कि दिल्ली निवासी हिन्दू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता एवं सुरजीत सिंह यादव द्वारा आठ दिसम्बर, 2022 को दीवानी न्यायाधीश सीनियर डिवीजन (तृतीय) में दाखिल किए गए दावे की बुधवार को सुनवाई होनी थी। लेकिन, उक्त अदालत के न्यायाधीश का तबादला होने के कारण आज मामले की सुनवाई सीनियर डिवीजन दीवानी न्यायाधीश नीरज गौड़ की त्वरित अदालत में हुई।

उत्तर प्रदेश सरकार ने 10 लाख टैबलेट पीसी, 25 लाख स्मार्टफोन खरीदने को मंजूरी दी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मंत्रिपरिषद ने बुधवार को स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजना के अन्तर्गत प्रदेश के युवाओं के तकनीकी सशक्तीकरण हेतु 10 लाख टैबलेट पीसी और 25 लाख स्मार्टफोन की खरीद के लिए बोली दस्तावेज को मंजूरी दे दी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया। एक सरकारी बयान के मुताबिक, स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजना पांच वर्ष के लिए लागू है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2022-23 में 1,800 करोड़ रुपए का बजट उपलब्ध है। बयान में कहा गया है कि इस योजना का कोई वित्तीय भार केन्द्र सरकार पर कोई व्यय भार नहीं पड़ेगा। बयान के अनुसार, प्रदेश के स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, कौशल विकास, पैरामेडिकल तथा नर्सिंग आदि विभिन्न शिक्षणाप्रशिक्षण कार्यक्रमों के अन्तर्गत लाभार्थी युवा वर्ग को स्मार्टफोनाटैबलेट निःशुल्क प्रदान करने से न केवल वह अपने शैक्षिक पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूर्ण कर सकेंगे, बल्कि उसके उपरान्त विभिन्न शासकीयागैर शासकीय तथा स्वावलम्बन की योजनाओं में भी वे इसका सदुपयोग कर सेवारताव्यवसायरत हो सकेंगे।

राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराया जाना भारत का आंतरिक मामला: ठाकुर

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक अमेरिकी अधिकारी की इस टिप्पणी को खारिज कर दिया कि वाशिंगटन राहुल गांधी के अदालती मामले को देख रहा है और कहा कि कांग्रेस नेता को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराया जाना भारत का आंतरिक मामला है।

टाइम्स नेटवर्क इंडिया डिजिटल फेस्ट में भाग लेते हुए ठाकुर ने यह भी कहा कि अमेरिकी अधिकारी ने एक सामान्य बयान दिया था। उन्होंने कहा, यह हमारा आंतरिक मामला है। कोई भी उच्चतम न्यायालय से ऊपर

नहीं है। न्यायिक और संवैधानिक संस्थाएं हैं। उन्होंने (अमेरिका ने) सामान्य बयान दिया है। गुजरात में सूरत की एक अदालत ने मोदी उपनाम संबंधी टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ 2019 में दर्ज आपराधिक मानहानि के एक मामले में उन्हें 23 मार्च को दोषी ठहराया था तथा दो साल कारावास की सजा सुनाई थी। इसके अगले दिन 24 मार्च को उन्हें लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहरा दिया गया।

अमेरिकी विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने सोमवार को एक प्रेस वार्ता में कहा था, कानून के शासन और न्यायिक स्वतंत्रता का सम्मान किसी भी लोकतंत्र की आधारशिला है। हम भारतीय अदालतों में श्री गांधी के मामले को देख रहे हैं। हम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सहित लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता पर भारत सरकार के साथ संपर्क में हैं।

उन्होंने कहा, अपने भारतीय सहयोगियों के साथ हमारी बातचीत में, हम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सहित लोकतांत्रिक सिद्धांतों और मानवाधिकारों के संरक्षण के महत्व को रेखांकित करना जारी रखेंगे।

भोला मूवी रिव्यू:

अजय देवगन की 'भोला' बोले तो एक्शन, एक्शन और सिर्फ एक्शन

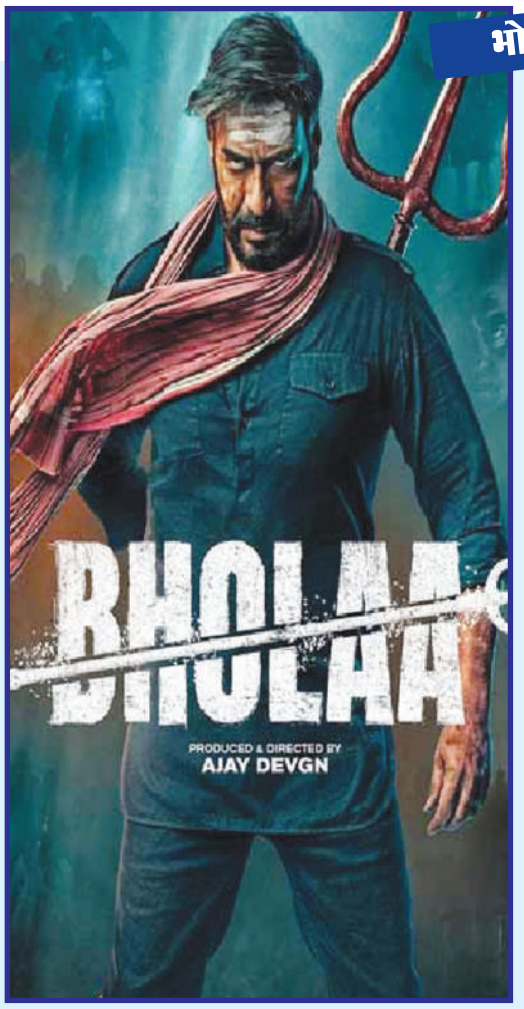

अजय देवगन को साउथ रीमेक्स का किंग कहा जाता है. जब भी उन्होंने साउथ की रीमेक बनाई है, उसने उन्हें जमकर लोकप्रियता दिलाई है. फिर वह सिंघम हो या सन ऑफ सरदार या फिर दृश्यम. अब इसी कड़ी में अजय देवगन ने 'कैथी' का हिंदी रीमेक 'भोला' नाम से बनाया है. दिलचस्प यह कि रेडीमेड कहानी और पूरा मसाला मौजूद होने के साथ ही अजय देवगन ने डायरेक्शन का जिम्मा खुद ही संभाला. 'कैथी' को लोकेश कनगराज जैसे अनुभवी और अपने काम में माहिर डायरेक्टर ने बनाया था. वहीं 'भोला' को एक अनुभवी सुपरस्टार ने डायरेक्ट किया है तो दोनों का अंतर तो लाजिमी है नजर आएगा ही. बस यही अंतर, 'भोला' में कई जगहों पर दिखता है.

'भोला' की कहानी अजय देवगन की है. उसकी एक बेटी है और उसे उससे मिलने जाना है. वहीं पुलिस अफसर तब्बू है और उसने एक गिरोह की बड़ी खेप को पकड़ा है. वहीं एक पुलिस स्टेशन है और उस पर हमला होने वाला है. ऐसे में कहानी के तार एक के साथ एक जुड़ते जाते हैं और आखिर में फोकस में आ जाता है भोला. इस तरह भोला की कहानी कैथी जैसी ही है, सिर्फ अंतर है तो पुलिस अफसर तब्बू का. पूरी कहानी के फोकस में रहते हैं अजय देवगन. अब डायरेक्टर अजय देवगन हैं, और एक्शन उनको पसंद है. ऐसे में फिल्म में एक्शन के नाम पर जो न दिखे वह कम है. अजय देवगन एक्शन के लिए अपनी कल्पना की ऊंची उड़ानें भरते हैं और यहां यह फिल्म कैथी से थोड़ी अलग हो जाती है. अजय देवगन पूरी फिल्म में छाए रहे हैं. एक्टिंग और एक्शन के मोर्चे पर उन्होंने अच्छा काम किया है. एक्शन तो उनका दमदार रहता ही है. किरदार को भी उन्होंने बखूबी निभाया है. तब्बू ने हमेशा की तरह एक्टिंग के जौहर दिखाए हैं. वैसे भी तब्बू और अजय देवगन की जोड़ी शुरू से ही सुपरहिट रही है, जिसकी शुरुआत 'विजयपथ (1994)' से हुई थी. दीपिक डोबरियाल का किरदार भी यादगार रहेगा. बाकी सबने भी ठीक-ठाक काम किया है. 'भोला' अजय देवगन के फैन्स और एक्शन फिल्मों के शौकीनों के लिए मजेदार फिल्म है।

अजय देवगन की फिल्म 'मैदान' के टीजर ने उड़ाया गर्दा, रिलीज होते ही हो रहा ट्रेंड

बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन के फैंस के लिए आज का दिन काफी खास है। क्योंकि उनकी फिल्म 'भोला' सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। लेकिन इसके साथ फिल्म के दर्शकों को सरप्राइज पैकेज के तौर पर स्टार की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'मैदान' का टीजर भी देखने को मिला। यह टीजर अब सोशल मीडिया पर भी छाया हुआ है। टीजर में अजय का अंदाज देखकर आप भी सीटियां बजाएंगे।

इस फिल्म में अजय देवगन एक फुटबॉल कोच की भूमिका में हैं। हालांकि बोनी कपूर के प्रोडक्शन बैनर तले बनी इस फिल्म के पहले सामने आ चुके पोस्टर में यह बात सामने आ ही चुकी थी। लेकिन अब इस टीजर ने इंटरनेट पर गर्दा उड़ा दिया है। क्योंकि इस कोच को देखकर लोगों को 'चक दे इंडिया' वाले शाहरुख खान की याद आ रही है। देखिए ये टीजर... टीजर देखकर लग रहा है कि यह फिल्म आजादी के बाद देश में स्पोर्ट्स की हालत को बयां कर रही है। जहां हम देख सकते हैं कि इंटरनेशनल मैच के दौरान भारतीय खिलाड़ी बिना जूतों के मैदान में हैं। इस फिल्म में अजय देवगन लीड रोल में है। साथ ही उनके साथ साउथ फिल्म एक्ट्रेस प्रियामणि राज भी अहम किरदार में दिखेंगी। फिल्म में गजराज राव भी अहम किरदार निभाते हुए दिखने वाले हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म

गौरतलब है कि यह फिल्म 23 जून 2023 को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में अजय देवगन इंडियन फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम की असल जिंदगी को पर्दे पर दिखाएंगे। वह दौर भारतीय फुटबॉल का स्वर्णिम दौर कहा जाता है। लेकिन रहीम किन मुश्किलों का सामना करते हुए टीम को आगे बढ़ा सके यह फिल्म में दिखाया जाएगा।

'आदिपुरुष'

रामनवमी पर प्रभास की आगामी फिल्म का नया पोस्टर रिलीज

प्रभास ने एक बार फिर से अपनी कमर कस ली है। वह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'आदिपुरुष' को लेकर लगातार चर्चा में हैं। इस मूवी में प्रभास के साथ-साथ कृति सेनन और सैफ अली खान मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

'आदिपुरुष' के पोस्टर पहले भी रिलीज हो चुके हैं, लेकिन उसकी वजह से प्रभास और मेकर्स दोनों को ही सोशल मीडिया पर बुरी तरह से ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। अब रामनवमी के इस पावन मौके पर प्रभास ने अपनी आगामी फिल्म 'आदिपुरुष' का नया पोस्टर रिलीज हुआ है, जिसे देखकर सोशल मीडिया पर यूजर्स हैरान रह गए हैं। प्रभास ने कुछ समय पहले ही अपने इंस्टाग्राम पर अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'आदिपुरुष' का नया पोस्टर आउट किया है और फिल्म की रिलीज डेट भी बताई है। इस नए पोस्टर में प्रभास भगवान राम के रूप में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही उनके पास एक तरफ माता सीता का किरदार निभा रहीं कृति सेनन खड़ीं हुई हैं, जो सिम्पल साड़ी और शॉल ओढ़ें नजर आ रही हैं। माथे पर बिंदी लगाए उनका ये लुक देखते ही बन रहा है। इसके अलावा उनकी दूसरी तरफ धनुष-बाण लिए लक्ष्मण का किरदार निभा रहे सनी सिंह भी इस लुक में बहुत ही जम रहे हैं। इस बिल्कुल नए पोस्टर में हनुमान भी हैं।

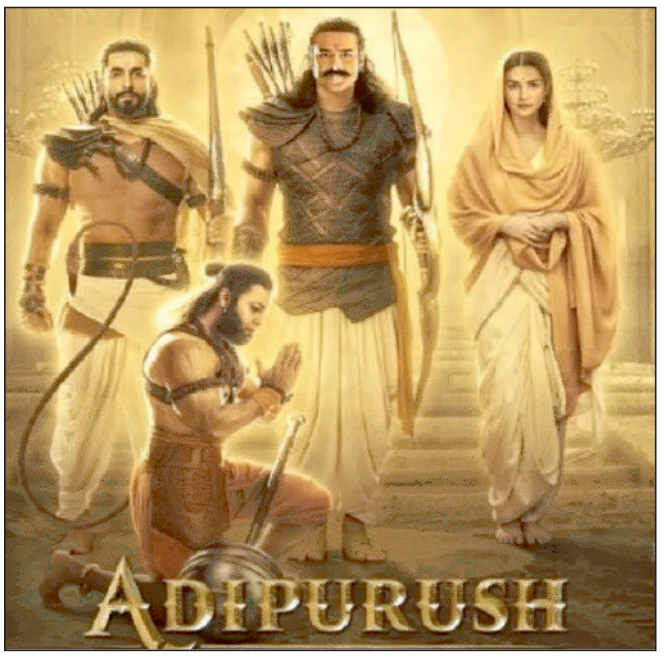

प्रभास ने सुबह-सुबह इस पोस्टर को जारी करके अपने चाहने वालों को रामनवमी की बधाई दी। आते ही ये पोस्टर सोशल मीडिया पर छा गया है। इस पोस्टर को शेयर करते हुए प्रभास ने कैप्शन में लिखा, 'मंत्रों से बढ़कर तेरा नाम, जय श्री राम'। इस पावन अवसर पर प्रभास की इस फिल्म के पोस्टर को देखने के बाद फैंस खुशी से झूम उठे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'जय श्रीराम'। दूसरे यूजर ने लिखा, 'रिकॉर्ड ब्लास्ट होगी ये फिल्म'। अन्य यूजर ने लिखा, 'ये बहुत ही अच्छा पोस्टर है, जिसमें लुक काफी अच्छा है और उसे पूरे सम्मान के साथ इसे पेश किया गया है'।

इस दिन सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म

प्रभास-कृति सेनन स्टारर आदिपुरुष 16 जून 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। 'बाहुबली' और 'बाहुबली-2' जैसी फिल्मों के बाद इस अवतार में प्रभास को देखने का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन ओम राउत ने किया है।

नागा चैतन्य से तलाक पर सामंथा रुथ प्रभु ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं-

'मैंने शादी बचाने की बहुत कोशिश की लेकिन...'

'ऊ अंटावा फेम सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'शाकुंतलम को लेकर सुर्खियों में हैं. फिल्म अगले महीने रिलीज होने वाली है. इन दिनों वह फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं. हाल ही में उन्होंने अपने और नागा चैतन्य के साथ रिश्ते में आई दरार और अपनी टूटी शादी पर खुलकर बात की है. सामंथा ने खुलासा किया कि उनका हिट आइटम सॉन्ग 'ऊ अंटावा उन्हें अपने सेपरेशन के बीच में मिला था. इसके चलते उनके दोस्त और परिवार वाले सभी उन्हें यह गाना करने से रोक रहे थे. सामंथा रुथ प्रभु और नागा चैतन्य ने जब अपने सेपरेशन की खबरें फैंस के साथ शेयर की, तो ये फैंस के लिए बड़ा झटका था. दोनों ने तलाक ले लिया है और अपनी-अपनी जिंदगी में दोनों आगे बढ़ गए हैं. हाल ही में उन्होंने अपनी शादी, तलाक और करियर पर खुलकर बात की है. उन्होंने कहा कि उन्हें नागा चैतन्य से अलग होने का जरा भी पछतावा नहीं है। सामंथा रुथ प्रभु ने हाल ही में मिस मालिनी के साथ बातचीत की।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक/संपादक- विकास गर्ग ने भगवती प्रिंटिंग प्रेस, इंडस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार उत्तराखंड से मुद्रित करवाकर 54 आवास विकास, विवेक विहार, रानीपुर मोड़, हरिद्वार उत्तराखंड से प्रकाशित किया।
प्रकाशक / संपादक: विकास गर्ग- फोन : 9897766448, : मुख्य संपादक / सुमित तिवारी- फोन : 8077771906: Email : uttarakhandprahari19@Gmail.com